MP Board Class 9th Special Hindi Sahayak Vachan Solutions Chapter 7 उड़ता चल कबूतर

बोध प्रश्न

प्रश्न 1.
सोनभद्र नदी किस प्रदेश में बहती है?
उत्तर:
सोनभद्र नदी बिहार प्रदेश में बहती है।

प्रश्न 2.
यूरोप यात्रा पर जाने के लिए किसने पत्र लिखा?
उत्तर:
यूरोप यात्रा पर जाने के लिए सन् 1947 ई. में आचार्य नरेन्द्र देव ने पत्र लिखा।

प्रश्न 3.
जयप्रकाश जी को किस-किसकी चिन्ता थी?
उत्तर:
जयप्रकाश जी को दैनिक-पत्र 'जनता' की चिन्ता थी और आगामी आम चुनाव की भी चिन्ता थी।

प्रश्न 4.
बिहार से चलने के बाद लेखक का प्लेन कौन-से शहर में उतरा?
उत्तर:
बिहार से चलने के बाद लेखक का प्लेन बनारस शहर में उतरा।

प्रश्न 5.
शरीर की भंगिमा द्वारा भाव प्रकट करने वाले व्यक्ति का नाम क्या था?
उत्तर:
शरीर की भंगिमा द्वारा भाव प्रकट करने वाले व्यक्ति का नाम उदय शंकर था।

प्रश्न 6.
ननिहाल जाते समय लेखक की हाथी के साथ क्या घटना घटी?
उत्तर:
ननिहाल जाते समय लेखक एक हाथी पर चढ़कर ऊँचे आसन पर बैठकर आनन्द लेना चाहता था पर हाथी की वह सवारी भीतरी मन को जितना आनन्द नहीं दे पाई उससे ज्यादा मन में भय बैठा गई थी।

प्रश्न 7.
बर्नार्ड शा ने अंग्रेजों के बारे में क्या लिखा है?
उत्तर:

बर्नार्ड शा ने अंग्रेजों के बारे में लिखा है कि इस कौम के दिल में कोई इरादा जागता है तो वह इस तरह उसे छिपाकर रखती है कि एक दिन यह इरादा एक ज्वलन्त विश्वास में परिणत हो जाता है और इस विश्वास की अखण्ड ज्योति, इसमें इतनी शक्ति पैदा कर देती है कि वह जो चाहती है, उसे करके ही दम लेती है।

प्रश्न 8.
ब्रजनन्दन आजाद ने तार के द्वारा क्या सूचना दी?
उत्तर:
ब्रजनन्दन आजाद ने तार के द्वारा विलायत जाने की तैयारी करने की सूचना दी।

प्रश्न 9.
गोरे अंग्रेज ने हिन्दी के बारे में क्या कहा?
उत्तर:
गोरे अंग्रेज ने हिन्दी के बारे में कहा कि आजकल हिन्दी को लोग संस्कृत बना रहे हैं। प्रेमचन्द की हिन्दी कितनी अच्छी थी। पटना के हिन्दी अखबार तक ऐसी हिन्दी लिखते हैं कि उनका अर्थ समझने के लिए डिक्शनरी की जरूरत होती है।

प्रश्न 10.
दिल्ली के राजभवन में कौन-कौन से चित्र लगे थे?
उत्तर:
दिल्ली के राजभवन में वायसराय के चित्र, अंग्रेजों द्वारा बनाये गये भवनों के चित्र, उन युद्धों के चित्र जिनमें विजयी बनकर अंग्रेज भारत के शासक हुए। सुरक्षा की दृष्टि से ये चित्र राजभवन को म्यूजियम मानकर लगा दिये गये थे।

प्रश्न 11.
हवाई जहाज यात्रा के समय नीचे के दृश्यों का वर्णन लेखक ने किस प्रकार किया है?
उत्तर:
हवाई जहाज यात्रा के समय नीचे के दृश्यों का वर्णन करते हुए लेखक कहता है कि ऊपर उड़ने पर ताड़ के वृक्ष छोटे-छोटे लगते हैं। धरती की सीमाएँ जैसे सिमटी जा रही हैं। खेत ऐसे लग रहे हैं जैसे मुसल्लम धारीदार चादर हो। तेजधूप में गंगा का कछार हिमालय की सीढ़ी का पहला जीना जैसा लग रहा था। नीचे की सारी चीजें छोटी होती जा रही हैं। ताड़-खजूर आम-नीम सब छोटे-छोटे से पौधे लग रहे हैं। पृथ्वी शतरंज की एक लम्बी विसात सी लगती है। जैसे-जैसे हम ऊँचे चढ़ते जाते हैं भेदभाव मिटते जाते हैं, सीमाएँ नष्ट हो जाती हैं और एकरूपता बढ़ती जाती है।

प्रश्न 12.
अन्तर्मन और बहिर्मन का परस्पर क्या सम्बन्ध है? उदाहरण द्वारा स्पष्ट
कीजिए।
उत्तर:
प्रत्येक वस्तु के दो पहलू होते हैं-आन्तरिक और बाह्य। इसी प्रकार मानव मन के भी दो पहलू होते हैं-अन्तर्मन और बहिर्मन। जब किसी वस्तु के प्रति हमारा आकर्षण अधिक होता है तो हमारा बहिर्मन उस वस्तु को प्राप्त करने का प्रयास करता है। अभिप्राय यह है कि अन्तर्मन किसी के भी बारे में सोचता रहता है, योजनाएँ बनाता रहता है पर उन योजनाओं को कार्य रूप में परिणत नहीं कर पाता है। उन योजनाओं को कार्य रूप में 'परिणत करता है बहिर्मन। इस प्रकार हम कह सकते हैं कि अन्तर्मन का कार्य योजना बनाना है और उसे क्रिया रूप में परिणत करता है बहिर्मन। अत: इन दोनों का परस्पर अटूट सम्बन्ध है। एक के बिना दूसरे का काम नहीं चल सकता है।

https://www.evidyarthi.in/

प्रश्न 13.
बनारस में उदय शंकर जी से लेखक की क्या बातचीत हुई?
उत्तर:
जब लेखक बिहार से चलकर बनारस हवाई अड्डे पर उतरा तो उसने लॉन में किसी को बैठा देखा। उसे देखकर लेखक की जो बातचीत हुई, वह इस प्रकार है-"क्षमा करें, क्या आप उदय शंकर हैं?"

"जी हाँ, आप मुझे पहचानते हैं?" जी, मैं भी एक छोटा-मोटा कलाकार ही हूँ। जिसे आप शरीर की भंगिमा द्वारा प्रकट करते हैं, उसे मैं कलम द्वारा उतारने की कोशिश करता हूँ।"

"अपने कला-केन्द्र के बारे में कुछ बता ....."
हाँ, सोच रहा हूँ, 1952 में उसे अल्मोड़ा के बदले देहरादून में खोलूँ। देहरादून बड़ी अच्छी जगह है।" मैने बताया लेखनीधारी का बेटा राइफलधारी बनने जा रहा है। "देश को उसकी भी जरूरत है। अच्छा किया है।"

प्रश्न 14.
भावार्थ स्पष्ट कीजिए-"ज्यों-ज्यों ऊँचे चढ़िए भेदभाव मिटते जाते हैं। सीमाएँ नष्ट होती जाती हैं, एकरूपता बढ़ती जाती है।"
उत्तर:
भावार्थ-लेखक कहता है कि ज्यों-ज्यों हम हवाई जहाज के द्वारा ऊपर आकाश की ओर बढ़ते जाते हैं, नीचे की सब वस्तुएँ एकसी दिखाई देने लगती हैं। इस यात्रा में सीमाएँ नष्ट होती जाती हैं और ऐसा लगता है कि सारा संसार, सारी पृथ्वी एक ही है।